इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 738

16 अगस्त, 2012 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्र की क्षमता के उपयोग संबंधी स्थिति

738. श्री प्रकाश जावडेकर:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2009 से देश में इस्पात संयंत्र की क्षमता के उपयोग की स्थिति क्या है;

(ख) अवर उपलब्धि के क्या कारण हैं;

(ग) कितने संयंत्र बंद पड़े हैं और उसके क्या कारण हैं; और

(घ) सरकार द्वारा देश में इस्पात-उत्पादन में आवर्धन करने का क्या विचार है ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): वर्ष 2009 से सेल और आरआईएनएल ने क्रूड स्टील की क्षमता उपयोगिता की स्थिति निम्नानुसार है:

आंकड़े प्रतिशत में

वर्ष	सेल	आरआईएनएल
2009-10	105	114
2010-11	107	115
2011-12	104	111

इस्पात मंत्रालय द्वारा निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों की क्षमता उपयोगिता के संबंध में सूचना नहीं रखी जाती है।

(ग) और (घ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, अत:, निजी क्षेत्र के वे उपक्रम जो प्रचालनरत नहीं हैं के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। इस्पात परियोजनाओं के वास्तविक और वित्तीय मामलों के संबंध में विस्तृत रणनीति का निर्धारण वाणिज्यिक विवेक के आधार पर व्यक्तिगत निवेशकों द्वारा स्वयं किया जाता है। उपयुक्त नीतिपरक उपायों के जरिए सरकार इस्पात उद्योग की वृद्धि का प्रोत्साहन करती है। घरेलू इस्पात उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय इस्पात नीति तैयार की है और देश में अवसंरचना, कच्चा माल आपूर्ति, पर्यावरण संबंधी मंजूरी और अन्य संबंधित अड़चनों के संबंध में प्रमुख इस्पात निवेशों से जुड़े मुद्दों का प्रबोधन एवं समन्वय करने के लिए एक अंतरमंत्रालयी समूह (आईएमजी) का गठन किया है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड जैसे सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों ने इस्पात की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के लिए और ऐसी आधुनिकी प्रौद्योगिकी, जो ऊर्जा दक्ष, लागत प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल हो को अपनाने के लिए व्यापक विस्तार/आधुनिकीकरण कार्यक्रमों को पहले ही शुरू कर दिया है।

****